विश्व पुस्तकालय

सार्वजनिक डोमेन के लिए *Web3 मानक*

***RA-HULA** को विश्व पुस्तकालय परियोजना के साथ शुरू से बनाया गया है।



2,766
सार्वजनिक डोमेन की किताबें

Arweave
फ़ाइल भंडारण

Gnosis
संग्रह सत्यापन

© 2026 DATAPOND D-LIBRARY PTY LTD

*RA-HULA मानक की उत्पत्ति

*RA-HULA मानक ग्रंथसूची के डेटा के स्तर पर UNIMARC के साथ संगत है। दुनिया भर के पुस्तकालय *RA-HULA की मदद से सार्वजनिक डोमेन की किताबें Web3 पर सहेज सकते हैं और वापस पा सकते हैं।

भंडारण नेटवर्क को एक बार के भुगतान के बाद किताबें स्थायी रूप से सहेजने के लिए बनाया गया है। पुस्तकालय को लगातार रखरखाव नहीं करना पड़ता। क्रिप्टोग्राफ़िक रिकॉर्ड से कोई भी जाँच सकता है कि किताब प्रकाशित प्रति जैसी ही है। बदली हुई प्रति इस जाँच में विफल होगी, और वेबसाइट से किताब हटाने पर भी प्रकाशन का रिकॉर्ड बना रहेगा।

मैंने नया नाम *RA-HULA चुना क्योंकि मैं परियोजना की दिशा खुद तय कर सकता था। मैंने इसे अपने समय और अपनी निजी बचत से बनाया, बिना किसी सरकारी या संस्थागत मदद, प्रायोजक या नौकरशाही बाधा के।

*RA-HULA उन्नत ग्रंथसूची मानकों पर बना है और उनसे आगे जाता है। इसमें एक ही रिकॉर्ड को कई प्रणालियों में वर्गीकृत करने, उसका विवरण कई भाषाओं में देने और किताबों के अलावा दूसरे प्रकार के रिकॉर्ड का ढाँचा बनाने की सुविधा शुरू से है।

1. पहले वेब को पुस्तकालयों से क्या मिला
2. एक लाइक की कीमत
3. तीसरे वेब पर प्रकाशन क्यों?
4. मैंने विश्व पुस्तकालय कैसे बनाया

पहले वेब को पुस्तकालयों से क्या मिला

वेबसाइट पर कैटलॉग आने से बहुत पहले ही पुस्तकालयाध्यक्षों ने डाक से कार्ड भेजे बिना उसका विवरण साझा करने का तरीका निकाल लिया था। साठ के दशक में MARC ने विवरण के हर हिस्से को ऐसा संकेत दिया जिसे कंप्यूटर पढ़ सके। एक पुस्तकालयाध्यक्ष किसी संस्करण का विवरण तैयार करता और दूसरे शहर में उसका सहकर्मी उसी काम का इस्तेमाल कर सकता था। पहले वेब ने इस सहयोग को पाठक की मेज़ तक पहुँचा दिया। अब आप ऐसे पुस्तकालय में भी किताब खोज सकते थे जहाँ आपने कभी कदम नहीं रखा था।

अलग-अलग देशों ने MARC के अपने रूप बनाए थे। अमेरिका में USMARC, कनाडा में CAN/MARC और ब्रिटेन में UKMARC था। इन अंतरों के बावजूद रिकॉर्ड का आदान-प्रदान आसान बनाने के लिए IFLA ने 1977 में UNIMARC पेश किया। अमेरिकी और कनाडाई प्रारूप बाद में मिलकर MARC 21 बने। आज भी कैटलॉग स्थानांतरित करते समय यह भेद काम आता है। शीर्षक MARC 21 में फ़ील्ड 245 में होता है और UNIMARC में फ़ील्ड 200 में।

बरसों बाद BIBFRAME ने उस सवाल को उठाया जो कभी गलत संस्करण पा चुके पाठक को परिचित लगेगा। एक है जेन ऑस्टेन की लिखी रचना, दूसरा है किसी प्रकाशक का निकाला हुआ प्राइड ऐंड प्रेजुडिस का संस्करण, और तीसरी है वह प्रति जिसके भीतरी पन्ने पर पुस्तकालय की मुहर है। BIBFRAME तीनों को अलग पहचान देता है और उनके बीच का रिश्ता दर्ज करता है। मैं चाहता था कि किताब का लिंक खोलने वाला जान सके कि उसे इनमें से क्या मिलेगा।

MARC 21 UNIMARC BIBFRAME

एक लाइक की कीमत

दूसरे वेब ने पाठकों को भी कुछ जोड़ने का मौका दिया। हाशिये पर लिखी टिप्पणी समुद्र पार पहुँच सकती थी। किसी की सिफ़ारिश से ऐसे लेखक का पता चल सकता था जिसकी एक भी किताब स्थानीय पुस्तकालय में नहीं थी। मैं इस दरियादिली को बनाए रखना चाहता था। मुश्किल तब शुरू होती है जब सिफ़ारिश पहुँचाने वाली कंपनी को आपको किताब तक पहुँचाने से ज़्यादा कमाई आपको स्क्रीन पर रोके रखने में होती है।

एक लाइक के दो पाठक होते हैं। दोस्त उसे आपकी सिफ़ारिश समझता है। विज्ञापन मंच उससे सीखता है कि आपका ध्यान कहाँ टिकता है। पैदल घूमने में आपकी रुचि देखकर पहले नई जैकेट का विज्ञापन आता है, फिर मौका चूक जाने का डर जगाता हुआ दूसरा संदेश। मंच को आप तक पहुँचने के पैसे मिलते हैं। आपकी कमाई उस चीज़ पर खर्च होती है जिसके बिना भी आप टहलने जा सकते थे। ऐसी बारीकियों से लोगों को निशाना बनाने की रफ़्तार के साथ निगरानी के उपाय नहीं चल पाए हैं।

उस जैकेट के दाम में सब कुछ दिखाई नहीं देता। रेशा उगाने के लिए किसी जीव का प्राकृतिक आवास साफ़ करके आपूर्तिकर्ता लागत घटा सकता है। बचत इसी मौसम के मुनाफ़े में दिख जाती है। जंगल और उस पर निर्भर प्रजातियों को सँभलने में पीढ़ियाँ लग सकती हैं। एक पुस्तकालय इससे बहुत पहले अपना रास्ता चुन सकता है। मैं चाहता हूँ कि चलने के बारे में पढ़ने आया व्यक्ति किताब बंद करे और टहलने निकल जाए।

Anti-Cheat FTC · A Look Behind the Screens UNEP · Global Resources Outlook

तीसरे वेब पर प्रकाशन क्यों?

मान लें कि एक पुस्तकालय आज किसी संग्रह को प्रकाशित करने का खर्च उठाता है। बीस साल बाद उसे खोजने वाला बच्चा कैटलॉग देखने के लिए फिर पैसे क्यों दे? ब्लॉकचेन पर स्वतंत्र कंप्यूटर एक सार्वजनिक रिकॉर्ड पर सहमत हो सकते हैं। नेटवर्क जब प्रकाशन की पुष्टि कर देता है, तब कोई भी पाठक बिना वॉलेट खोले या लेन-देन भेजे नेटवर्क के किसी कंप्यूटर से वह रिकॉर्ड माँग सकता है। हर बार कैटलॉग खुलने पर किसी कंपनी का कमीशन ज़रूरी नहीं है।

इस काम की लागत है। कंप्यूटर चलाने के लिए बिजली, भंडारण और रखरखाव चाहिए। नेटवर्क के नियम संचालकों को पारिश्रमिक देते हैं। हर नई प्रविष्टि पर प्रकाशक लेन-देन शुल्क चुकाता है। विश्व पुस्तकालय किताबों की फ़ाइलें Arweave पर रखता है, जहाँ अग्रिम भुगतान लंबे समय तक भंडारण का खर्च उठाने में मदद करता है। संग्रह का डिजिटल फ़िंगरप्रिंट ब्लॉकचेन पर दर्ज होता है। वेबसाइट चलाने और फ़ाइलें पहुँचाने का खर्च फिर भी हो सकता है। पाठक बिना खाता बनाए मुफ़्त में खोज, पढ़ और डाउनलोड कर सकते हैं।

कल कोई पुस्तकालयाध्यक्ष अपनी प्रति का फ़िंगरप्रिंट निकालकर प्रकाशित फ़िंगरप्रिंट से मिला सकता है। एक बाइट बदलने से भी नतीजा बदल जाता है। सुधारे गए संस्करण को नई प्रविष्टि मिल सकती है और पुरानी प्रविष्टि भी देखी जा सकती है। इससे पता चलता है कि कौन-सा संस्करण प्रकाशित हुआ था। कैटलॉग में दी गई तारीख सही थी या नहीं, इसे परखने के लिए अब भी पुस्तकालयाध्यक्ष की समझ चाहिए।

Ethereum · eth_call Arweave · Storage Endowment

मैंने विश्व पुस्तकालय कैसे बनाया

मैं व्यवसाय विश्लेषक और प्रोग्रामर हूँ। मेरा बचपन पश्चिमी और पूर्वी अफ़्रीका में बीता। बरसों बाद कैनबरा के एबोरिजिनल टेंट एम्बेसी में मुझे ऐसे ज्ञान के बारे में सीखने को मिला जो बोलकर अगली पीढ़ी को सौंपा जाता है। उस अनुभव ने मुझे «विश्व पुस्तकालय» नाम की सीमा समझाई। कैटलॉग लिखित सामग्री सँभाल सकता है। पूरी की पूरी परंपराएँ उसके बाहर जीवित हैं। मैंने यह मानक स्वतंत्र रूप से बनाया, और इसमें कई पीढ़ियों के पुस्तकालयाध्यक्षों के काम से मदद मिली।

मैंने उन बातों से शुरुआत की जिन पर दो पठन ऐप को एक ही किताब खोलने के लिए सहमत होना होगा। लेखक की पहचान कैसे होगी? संस्करण की भाषा कहाँ दर्ज होगी? सॉफ़्टवेयर बदलने के बाद पुराना ऐप शीर्षक कैसे पहचानेगा? **अनजाने में मैं MARC मानक को नए सिरे से बना रहा था।** मैंने किताबों, व्यक्तियों और विषयों की साझी परिभाषाएँ प्रकाशित कीं, जहाँ पहले से पहचान-संकेत थे उन्हें अपनाया, और फ़ील्ड को स्थायी संख्याएँ दीं। सार्वजनिक सॉफ़्टवेयर किट इन्हीं परिभाषाओं से ऐप में पढ़े जा सकने वाले रिकॉर्ड बनाती है। दूसरा डेवलपर उसी संग्रह के लिए अपना प्रवेशद्वार बना सकता है।

असली पुस्तकालय बनाने पर यह भी तय करना पड़ा कि शेल्फ पर क्या रहेगा और कौन तय करेगा। पाठक संग्रह की अपनी प्रति व्यवस्थित कर सकते हैं। किसी किताब को हटाने के हस्ताक्षरित फ़ैसले की जाँच हो सकती है और उसे पलटा भी जा सकता है। असहमति हो तो पाठक बता सकता है कि वह किस निर्णय को चुनौती दे रहा है। मेरे लिए यह उतना ही अहम है जितना फ़ाइलों को सँभालना। कोई पाठक अनदेखी किताब खोज ले, उसके संस्करण की जाँच करे और मुझसे पूछे बिना अगले पाठक को वहाँ तक पहुँचा दे, तो मानक ने अपना काम कर दिया।

Data Pond · Web3 & UNIMARC @the_library/canonical-schemas

FAQ

▼ क्या मुझे पढ़ने के लिए एक खाते की आवश्यकता है?

नहीं। पढ़ने, खोजने और डाउनलोड करने के लिए किसी खाते की आवश्यकता नहीं है, यह लाइसेंस की एक शर्त है। अपने स्वयं के परिवर्तनों और गतिविधि को ऑन-चेन सहेजने के लिए केवल एक खाते की आवश्यकता होती है।

▼ क्या यह ऑफ़लाइन काम करता है?

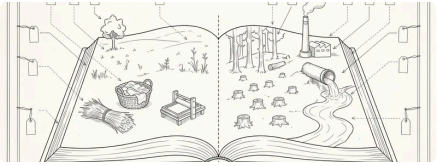
आपके द्वारा खोली गई पुस्तकें और पृष्ठ आपके ब्राउज़र में रखे जाते हैं, और जब ऐप वैकल्पिक ऑफ़लाइन कार्यकर्ता का उपयोग करता है तो बिना कनेक्शन के खुलते हैं। यदि जगह कम पड़ती है, तो सबसे कम हाल में उपयोग की गई पुस्तकें पहले हटाई जाती हैं, कभी खुली हुई पुस्तक या आपके द्वारा पिन की गई पुस्तकें नहीं।

विश्व पुस्तकालय से शोध

शोध

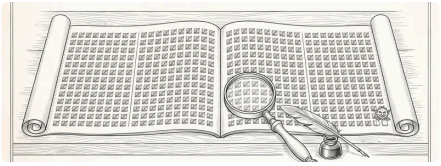
विश्व पुस्तकालय बनाते समय हमने वर्गीकरण, चयन और भरोसे के बारे में क्या सीखा।

चुनिंदा अध्ययन • अंग्रेज़ी में



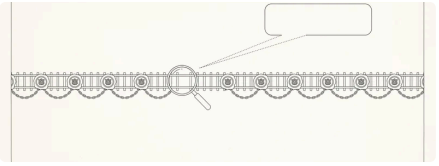
Who decides where a book belongs?

Follow one book through different classification systems and see how its neighbours change.



Count what gets removed

Explore a public record of removals and an experiment in ranking books by what readers keep.



Can humans and AI agents trust each other?

A Bitcoin timestamp can show that a note has stayed the same. What happens when someone remembers it differently?

सभी शोध (अंग्रेज़ी)

DATA POND API

डेवलपर

सार्वजनिक SDK और साझा डेटा स्कीमा से संग्रह के लिए अपना रीडर बनाएँ।

नेटवर्क से पढ़ें

रीड क्लाइंट बनाएँ, रजिस्ट्री लोड होने दें और फिर नेटवर्क से खातों की संख्या पढ़ें।

@the_library/public

```
pnpm add @the_library/public @the_library/network-config
```

```
import { DEFAULT_CHAIN_ID } from '@the_library/network-
config';
import { getReadClient } from '@the_library/public/web3';

const client = getReadClient(DEFAULT_CHAIN_ID);
await client.ready;
const members = await client.bouncerStorage.nbAccounts();
```

पहचानकर्ता की परिभाषा पढ़ें

स्कीमा ऐप के साझा फ़ील्ड बताते हैं। यह उदाहरण प्रकाशित JSON से ISBN की परिभाषा पढ़ता है।

@the_library/canonical-schemas

```
pnpm add @the_library/canonical-schemas
```

```
import isbn from '@the_library/canonical-
schemas/standards/isbn'
  with { type: 'json' };

console.log(isbn.label);
// International Standard Book Number
```

कोड का लाइसेंस

अपरिवर्तित रिलीज़ का उपयोग और साझा बिना किसी लागत के करें। ऐप्स नेटवर्क पढ़ते हैं; लेखन अधिकृत सेवाओं के लिए आरक्षित है।

D-Open Code Sovereign Licence